झारखंड के खूँटी में विकास का अभाव

चर्चा में क्यों?

लोकसभा चुनाव 2024 के बीच झारखंड के **खूँटी, सिहभूम और लोहरदगा** में कई आदिवासी मतदाता **विकास एवं बुनियादी सुविधाओं की कमी** से नाखुश हैं।

मुख्य बिंदु:

- **आदिवासी आदर्श [बिरसा मुंडा]** की जन्मस्थली, झारखंड के खूँटी लोकसभा क्षेत्र के एक गाँव **उलिहातु** में निवासियों में असंतोष है।
    - विकास और बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण क्षेत्र में राजनीतिक उत्साह की कमी नज़र आ रही है तथा किसी भी पार्टी को खुला समर्थन नहीं मिल रहा है।
- हाल के वर्षों में, **गाँव में** तारकोल वाली सड़कें, स्कूल और पानी की टंकियाँ जैसे नए बुनियादी ढाँचे सहित **विकास दिखाई दे रहा है।**
    - प्रधानमंत्री ने यहाँ दौरा किया और 24,000 करोड़ रुपए के **विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTG) विकास मिशन** का शुभारंभ किया।
    - केंद्र सरकार ने **बिरसा मुंडा की जयंती** को '**जनजातीय गौरव दिवस**' के रूप में मनाया।

बिरसा मुंडा (Birsa Munda)

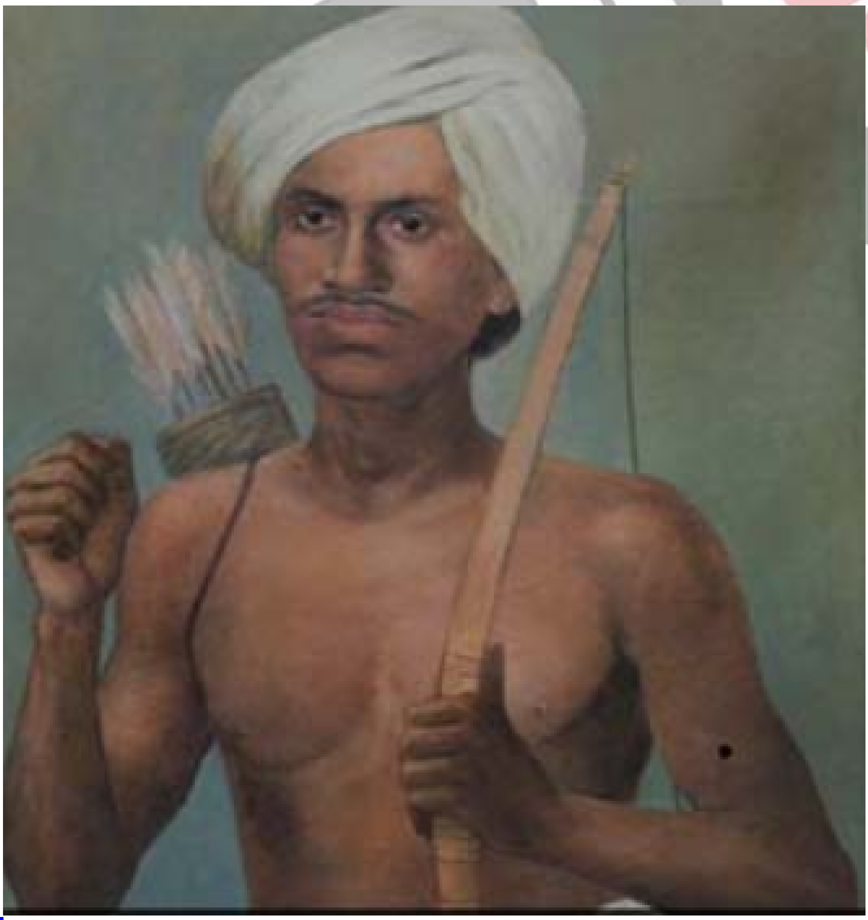
//

- बिरसा मुंडा का **जन्म वर्ष 1875 में हुआ था।** वे **मुंडा जनजाति** के थे।
- उन्होंने 19वीं शताब्दी के अंत में **आधुनिक झारखंड और बिहार के आदिवासी क्षेत्र में ब्रिटिश शासन के दौरान एक भारतीय आदिवासी धार्मिक मिलेनेरियन आंदोलन का नेतृत्व किया।**

विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTG) विकास मिशन

- PM-PVTG विकास मिशन कार्यक्रम का उद्देश्य **कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG)** की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करना है।
- इसके लिये केंद्रीय बजट में अनुसूचित जनजातियों के लिये 24,000 करोड़ रुपए की उपलब्धता की परिकल्पना की गई है।
- मिशन में पिछड़ी अनुसूचित जनजातियों के लिये **सुरक्षित आवास,** स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण, बस्तियों में सड़कों तक बेहतर पहुँच जैसी **बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करना शामिल है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lack-of-development-in-jharkhand-s-khunti